1) हिन्दी भाषा के विकास क्रम को समझाईये?

संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहर → प्राचीन/प्रारंभिक हिन्दी

2) हिन्दी भाषा की तीन प्रमुख बोलियां बताईये?

;पद्ध अवधी
;पपद्ध ब्रजभाषा
;पपपद्ध खड़ी बोली

3) संधि के प्रकार बताईये?

;पद्ध स्वर संधि
;पपद्ध व्यंजन संधि
;पपपद्ध विसर्ग संधि

4) संधि विच्छेद कीजिए–

(अ) स्वागत – सु + आगत
(ब) हितोपदेश – हित + उपदेश

5) द्रव्यवाचक संज्ञा की परिभाषा लिखिए?

जिस संज्ञा शब्द से उस सामग्री या पदार्थ का बोध होता है जिससे कोई वस्तु बनी है।

उदाहरण – ठोस पदार्थ – सोना चाँदी
द्रव्य – तेल, पानी

6) संबंध वाचक सर्वनाम समझाईये।

जिस सर्वनाम से किसी दूसरे सर्वनाम से संबंध स्थापित किया जाए।

7) प्रत्यय

जे शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं।

दया + लु त्र दयालु

8) 'प्रति' उपसर्ग का प्रयोग करके तीन शब्द बनाइये।

;पद्ध प्रतिकार
;पपद्ध प्रतिकूल
;पपपद्ध प्रतिहिंसा

9) द्वंद समास समझाईये?

द्वंद समास में दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और'/'एवं' लगता है।

उदाहरण– नदी – नाले → नदी और नाले

10) देशज शब्दों को समझाईये।

देशज का शाब्दिक अर्थ है देश में जन्मा य अतः देशज शब्द वे शब्द हैं जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थितवश या आवश्यकतानुसार बनकर प्रचलित हो गए हैं।

उदाहरण– गड़बड़, टाँग,आदि

11) तीन अनेकार्थी शब्द अर्थ सहित लिखिए।

;पद्ध हार – पराज्य, माला
;पपद्ध कर – हाथ, टैक्स
;पपपद्ध कनक – सोना, धतूरा

12) विलोम शब्द लिखिए।

;पद्ध पाप – पुण्य
;पपद्ध सत्य – असत्य
;पपपद्ध नया – पुराना

13) शब्द–शक्ति से आप क्या समझते है?

शब्दों के अर्थ का बोध कराने वाले अर्थ – व्यापारों को शब्द शक्ति कहते हैं।

इसके तीन भेद माने गए हैं –

अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना।

14) धनाक्षरी छंद क्या होता है?

धनाक्षरी वह छंद है, जिसमें 31 वर्ण होते हैं। 16 एवं 15 वर्णों पर यति होती हैं। इसमें वर्णों के क्रम का कोई बंधन नहीं होता।

15) उपन्यास क्या होता है।

उपन्यास हिन्दी साहित्य की गद्य विधा है। इसमें किसी चरित्र के संपूर्ण अथवा अधिकांश जीवन की कथा का विस्तार पूर्वक वर्णन होता है। इसमें मुख्य कथा के साथ–साथ लघु कथाओं को भी स्थान दिया जाता है।

16) रस किसे कहते हैं?

किसी साहित्य को पढ़ते या सुनते या देखते हुए जिस आनंद की अनुभूति होती है उसे रस कहते हैं।

भारत मुनि लिखित नाट्यशास्त्र के अनुसार 8 रस होते हैं, जबकि नाट्य विधा अनुसार नवरस माने गए हैं।

17) राजभाषा को परिभाषित कीजिए।

वह भाषा जो देश के राजकीय कार्यों के लिए प्रयुक्त होती है राजभाषा कहलाती है।

14 सितंबर 1949 में हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई।

18) अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध कीजिए–

;पद्ध नछत्र – नक्षत्र
;पपद्ध द्रष्टी – दृष्टि
;पपपद्ध प्रतीवादी – प्रतिवादी

19) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

;पद्ध जो नेत्रों से दिखाई न दे – अगोचर
;पपद्ध जिसका निवारण ना किया जा सके – अनिवार्य
;पपपद्ध जो भूमि उपजाऊ हो – उर्वरा

20) निषेधवाचक वाक्य को उदाहरण सहित समझाईये?

वे वाक्य जिनसे कार्य न होने का भाव प्रकट होता है निषेधवाचक वाक्य कहलाते हैं।

उदाहरण– मैंने गृहकार्य नहीं किया।

21) अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

;पद्ध मेरे को जाना है – मुझे जाना है।
;पपद्ध प्रेम करना तलवार की नोंक पर चलना है – धार पर
;पपपद्ध इस वीरान जीवन में ... – नीरस

22) रचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद होते हैं?

;पद्ध सकर्मक – जिस क्रिया के साथ कर्म हो या कर्म की संभावना हो तथा जिस क्रिया का
फल कर्म पर पड़ता हो।

;पपद्ध अकर्मक – अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता
है।

23) परिमाण बोधक विशेषण समझाइये?

जिन विशेषणों से संज्ञा अथवा सर्वनाम के परिमाण का बोध होता है।

उदाहरण– दस किलो घी
थोड़ा दूध

24) वर्ण से आप क्या समझते हैं?

भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है, इस ध्वनि को वर्ण कहते हैं।

25) देवनागरी लिपी की कोई 3 विशेषताऐं बताईये?

(अ) शिरोरेखा
(ब) समावेशी भाषा
(स) विशिष्ट ध्वनि के लिए विशिष्ट चिन्ह

प्रश्न–2 अलंकारों से संबंधित प्रश्न–

2.1) शब्दालंकार

2.1.1) यमक अलंकार समझाईये?

उत्तर :– शब्दों की आवृत्ति जहाँ एक बार से अधिक हो और उसके अर्थ अलग–अलग हों।

2.1.2) 'रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून'
पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून'
उपर्युक्त पद में अलंकार पहचानिए

उत्तर :– श्लेष अलंकार

2.1.3) वृत्यानुप्रास अलंकार समझाईये?

उत्तर :– अनेक व्यंजनों की एक बार स्वरूपतः व क्रमतः आवृति
उदाहरण– कलावति, कलिवती, कलिन्दजा

2.1.4) 'चारू चंद्र की चंचल किरणें ....'
उपर्युक्त पद्यांश में अलंकार पहचानिए?

उत्तर :– अनुप्रास अलंकार

2.2) अर्थालंकार से संबंधित–

2.2.1) अतिशियोक्ति अलंकार

उत्तर :–उपमेय को निगलकर उपमान के साथ अभिन्नता प्रदर्शित करना अथवा लोक सीमा
से बाहर बढ़कर बात करना।

2.2.2) उत्प्रेक्षा अलंकार की पहचान करने वाले शब्द बताइये।

उत्तर :– जनु, मनु, जानो, मानो, ज्यों, त्यों, जानहु आदि।

2.2.3) रूपक अलंकार स्पष्ट कीजिए?

उत्तर :– उपमेय में उपमान का निषेध रहित आरोप।
उदाहरणः– यह मुख चंद्र का है।

2.2.4) निम्न वाक्य में अलंकार पहचानिए?
''यह मुख है या चंद्र है''

उत्तर :– संदेह अलंकार

2.2.5) ''उसके मुख को कोई कमल कोई चंद्र कहता।''

उत्तर :– उल्लेख अलंकार

प्रश्न–3 निम्न वाक्यों में हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

3.1) आज प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे।

उत्तर :– ज्वकंल च्तपउम डपदपेजमत ूपसस ंककतमे जीम छंजपवदण

3.2) वह एक दिवसीय मैच में पर्दापण करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी है।

उत्तर :– ैीम पे जीम लवनदहमेज चसंलमत जव कमइनज पद वदम कंल उंजबीमेण

3.3) कश्मीर में लगा कर्फ्यू, इंटरनेट बंद।

उत्तर :– ब्नतमिू पउचवेमक पद ज्ञीउपतए प्दजमतदमज ैीनज क्वूदण

3.4) वह निर्धन अवश्य है किन्तु ईमानदार है।

उत्तर :– भ्म पे चववत इनज ीवदमेजण

3.5) उसकी पहचान भले ही एक लेखक के रूप में हो, किन्तु वह एक अच्छी गायक भी है।

उत्तर :– ।सजीवनही ेीम पे ं ूमसस ादवूद ूतपजमतए इनज ेीम पे ंसेव ं हववक ेपदहमतण

3ण्6द्ध प् ंउ जतंअमससपदहण

उत्तर :– मैं यात्रा कर रहा हूँ।

3ण्7द्ध भ्म पे उेंजमत पद ेबपमदबमण

उत्तर :– वह विज्ञान में परास्नातक है।

3ण्8द्ध प्दकपंद ब्वदेजपजनजपवद पे संतहमसल मिकमतंसण

उत्तर :– भारतीय संविधान अधिकांशतः संघीय है।

3ण्9द्ध जीमल इवजी कमदपमकण

उत्तर :– उन दोनों ने खण्डन कर दिया।

प्रश्न–4 हिन्दी व्याकरण से संबंधित–

1) 'ओंढ मलना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः– दंड देना

2) 'कहीं का ईट कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः– इधर–उधर से सामान जुटाकर काम करना।

3) 'अपना हस्ताक्षर लगा दो'–' का शुद्ध स्वरूप लिखिए।

उत्तरः– कर

4) गाँधीजी ने कहा– हिंसा मत करो ...में कौन से विराम चिन्ह का प्रयोग किया गया है?

उत्तरः– निर्देशक चिन्ह

5) ''हाँ लिख सकता हूँ'' – सही विराम चिन्ह लगाईये।

उत्तरः– हाँ, लिख सकता हूँ।

6) प्रथ्वी की शुद्ध वर्तनी रूप लिखिए।

उत्तरः– पृथ्वी

7) 'जिसकी आशा न की गई हो' – अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखे।

उत्तरः– अप्रत्याशित

8) संधि को परिभाषित कीजिए?

उत्तरः– दो समीपवर्ती वर्णों के मेल से जो विकार होता है वह संधि कहलाता है।
उदाहरणः– वाक् + ईश त्र वागीश

9) विसर्ग संधि समझाईये?

उत्तरः– विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार होता है, उसे विसर्ग
संधि कहते है।

उदाहरणः– निः + आहार त्र निराहार
तपः + भूमि त्र तपोभूमि

10) क्रिया विशेषण का कोई उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–5

5.1) 'कटिबन्धीय' का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– ज्तवचपबंस

5.2) प्उचमतपंसपेजपबश का शाब्दिक अर्थ हिन्दी में लिखिए।

उत्तर :– साम्राज्यवादी

5.3) 'चोर की दाढ़ी में तिनका' – अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :– अपराधी का सशंकित रहना।

5.4) 'जो तीनों काल के बारे में जानता हो' – अनेक शब्द के लिए एक शब्द लिखिए।

उत्तर :– त्रिकालदर्शी

5.5) तद्भव रूप बताईये।

उत्तर :– वे शब्द जो मूलरूप से संस्कृत के नहीं हैं किन्तु संस्कृत के किसी मूल शब्द से व्युत्पन्न हुए हैं।

5.6) तत्सम रूप बताईये।

उत्तर :– आधुनिक हिन्दी भाषा के वे शब्द जिनको संस्कृत से बिना रूप बदले ले लिया गया है।

5.7) कृतज्ञ का विलोम शब्द लिखिये?

उत्तर :– कृतघ्न

5.8) भ्महमउवदलश का हिन्दी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– आधिपत्य

5.9) अनुशंसा का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– त्मबवउउमदकंजपवद

5.10) मुद्रास्फीति का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– प्दसिंजपवद

6) गद्यांश

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं हैए क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करेंए जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिनाए दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए।

आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती हैए क्योंकि उद्योग-धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता हैए जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होए तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता हैघ हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा

चुनने की अनुमति नहीं देता हैए जो उसका पैतृक पेशा न होए भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

प्रश्न

;क) जाति-प्रथा को स्वाभाविक श्रम-विभाजन नहीं कहा जा सकता।श क्योंघ

;ख) जाति-प्रथा के सिद्धांत को दूषित क्यों कहा गया हैघ

;ग)भजाति-प्रथा पेशे का न केवल दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण करती है बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे से बाँध देती है .कथन पर उदाहरण-सहित टिप्पणी कीजिए।

;घ) इस गदयांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

;ङ) विकसितए पैतृक दृ मूल शब्द एवं प्रत्यय बताइए।

7) पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए –

जब तक माला गूंथी जाती है तब तक फूल मुरझा जाते हैं ।

8द्ध संक्षेपण

मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्रगति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं। कुछ विकासोन्मुख। विकसित देश वे हैं जहाँ आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग हो रहा है। ऐसे देश नाना प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं और उस सामग्री की खपत के लिए बाजार ढूँढते रहते हैं। अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण ही ये देश विकसित और अमीर हैं। विकासोन्मुख या गरीब देश उनके समान ही उत्पादन करने की आकांक्षा रखते हैं और इसलिए उन सभी आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करते हैं। उत्पादन-क्षमता बढ़ाने का स्वप्न देखते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि सारे संसार में उन वायुमंडल प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी है जो विकास के लिए परम आवश्यक माने जाते हैं।